एक प्यार

ऐसा भी ...

वर्षा रानी

एक प्यार ऐसा भी

वर्षा रानी

परिचय

ये शायरियाँ सिर्फ़ शायरियाँ नही हैं. ये मेरी ज़िंदगी के वो बिखरे मोती हैं जिन्हे मन के धागो मे मेरे अलावा और कोई नही पिरो सकता.

प्यार तो हम सब ही करते हैं, किसी ना किसी रूप मे. किसी ना किसी से, पर हमे भी इसके बदले बारबर का प्यार मिले इस बात की कोई निश्चितता नही.

प्यार के ऐसे ही एक अनुभव को आपके सामने लेकर आने की कोशिश की है. उम्मीद है आप खुद को इनसे जुड़ा हुआ महसूस कर पाएँगे.

आपको मेरी कविताएँ कैसी लगी आप मुझे ज़रूर बताएँ.

धन्यवाद.

तेरे झूठ ने कुछ ऐसा दर्द दिया मुझे
अब ना हँस पा रही हूँ न रो पा रही हूँ
न तो तुमसे प्यार करना रोक पा रही हूँ
न तो किसी के साथ प्यार में आगे बढ़ पा रही हूँ।

भ्रम में जी रही थी आजतक मैं
मौत से बुरा कुछ नहीं ऐसा सोचती थी मैं
पर जब से तुमसे अलग हुई हूँ मैं
मौत से बुरा भी कुछ होता है ये समझ गयी हूँ मैं।

कल तक जिसकी अपनी थी
आज उसी की पराई हूँ
प्यार करने की सजा
क्या खूब मैं पायी हूँ।

ज़िन्दगी कल भी थी
ज़िन्दगी आज भी है
फ़र्क़ सिर्फ इतना है
कल ज़रूरी थी और आज मजबूरी है।

वक़्त मुश्किल है
उलझन में ये दिल है
सोचते हैं जी लेंगे तेरे बिना
पर मेरे लिए तेरे बिना जीना थोड़ा मुश्किल है।

बहुत चाहा आपको पर पा न सके
खयालो में किसी और को ला न सके
आपको देख कर आँसू तो पोंछ लिए
लेकिन किसी और को देख कर मुस्कुरा न सके।

ज़िन्दगी भर की ख़ुशी देने का वादा कर
वह मेरी पूरी ज़िन्दगी बर्बाद कर गया।

क्यों आये थे मेरे पास
जब दूर जाना ही था
क्यों बदला मुझे
जब तुम्हे बदलना ही था।

बस एक सवाल है तुमसे
हज़ारो चीज़ है दुनिया में खेलने के लिए
फिर तुमने मेरा दिल ही क्यों चुना?

अब तो आदत हो गयी है दर्द की
अब तो दर्द तब होता है
जब दर्द नहीं होता है।

मुझे उदास देख कर जो कहता
मैं तुम्हे दुखी नहीं देख सकता
फिर ऐसा हुआ ज़िन्दगी में
जितना दुःख मिला उसी ने दिया।

जो आप के साथ बीती वो थी ज़िन्दगी
अब तो आपके बिना बस उम्र कटेगी।

मेरी हर सुबह आप से थी
मेरी हर शाम आप से थी
मेरी हर मुस्कान आप से थी
मेरी हर ख़ुशी आप से थी
काश कुछ न बदला होता
क्योकि मेरी ज़िन्दगी आप से थी।

कमाल की बात है तुम में
कमाल के शख्स हो तुम
मेरी ज़िन्दगी तबाह करदी है
पर आश्चर्य की बात ये है
ये दिल अब भी तुमसे खफा नहीं है।

तुम आए भी अपनी मर्ज़ी से
चले भी गए अपनी मर्ज़ी से
समझ नहीं आई एक बात
जब सब आपकी मर्ज़ी थी
तो मैं क्या थी।

मेरे दिल के हर कोने में थे तुम
उसी को तोड़ गए तुम
कुछ टुकड़ा तो आपके साथ चला गया
और जो है वो मुझे जीने नहीं दे रहा।

तुम्हे याद करना आसान है
रोज़ करती हूँ मैं
लेकिन उन यादों में जीना आसान नहीं है
रोज़ मरती हूँ मैं ।

ज़िन्दगी में सबकुछ मिला
पर तुम नहीं
ज़िन्दगी कभी कभी सबसे रूठी
पर तुमसे नहीं ।

ऐ दिल बस कर उसे याद करना
जिसने तबाह कर दिया तुझे
उसने तो कभी तेरी कदर नहीं की
तू भी बंद कर उसकी यादों में तड़पना।
क्या गुनाह किया मैंने
तुझे चाहा यही खता की मैंने
तू हमेशा मुझसे शिकायत करता है
तेरे लिए दुनिया भुला दी थी मैंने ।

जब तुम मिले थे
दुनिया भूल गई थी
याद रहते थे तो बस तुम
आज जब तुम बिछड़ गए
दुनिया ने भुला दिया मुझे
पर आज भी याद हो तुम बस।

जब पाया था आपका साथ
हर चाहत मिटा दी थी मैंने
आदत हो गई तुझे याद करने की
और आप कहते हो आपको भूला दिया मैंने ।

तेरे हर दर्द को संभाल के रखा है मैंने
एक वही तो है जो ईमानदारी के साथ दिया तुमने ।

तुम भी झूठे
तुम्हारी बाते भी झूठी
तुम्हारे वादे भी झूठे
तेरे ईरादे भी झूठे
सच कुछ था तो
वो था मेरा प्यार ।

नफरत हो गई है मुझे प्यार से
प्यार का नाम ले कर लोग ज़िन्दगी में आते हैं
और तबाह करके चले जाते हैं।

बहुत मनहूस दिन था वो
जब हम मिले थे
भूल न पाओगी तुम्हे कभी
कितने ज़्यादा दर्द तुमने दिए थे।

कैसी थी वो जुदाई
जो हमारे बीच ईतनी दूरी लाई।

पराया हो के तू अपना था
फिर अपना हो के पराया हुआ
क्या खता हो गई थी मुझसे
जो तुमने इतना दर्द दिया।

छोड़ के मुझे चले गए हो तुम
दिल मेरा तोड़ के चले गए हो तुम
अब आना न किसी बहाने से
निकाल चुकी हूँ तुम्हे अपने दिल के आशियाने से।

ऐ खुदा तुझसे बस एक मिन्नत है
मिटा दे मुझे या मिटा दे उसकी यादों को
बहुत तकलीफ उसने मुझे दी है
जिसके लिए मैंने तुझसे दुआ माँगी थी।

ऐ दिल बस कर उसकी यादों में रोना
बस कर अब मुझे सताना
चला गया वह तुझे बर्बाद कर
अब उसके लिए तू मुझे परेशान मत कर।

ऐ खुदा फिर से मुझे वो पंख लगा दे
न तू मुझे इतना सजा दे
क्यों हूँ ठहरी हुई सी मैं
जैसे हूँ अधमरी सी मैं ।

नादान थी मैं फिसल गई
उनके साथ एक डोर में बंध गई
गम हो गए वो खुद इसमें मुझे लाकर
खो दिया खुदको मैंने उन्हें पा कर ।

सोचती थी बहलाऊंगी उनको
प्यार के रंग से बचाऊंगी उनको
बेखबर थी मैं अंजान थी
खुद ही आ जाउंगी इस वियोग में ।

मन को उसके भाई थी
न जाने कैसे लुभाई थी
न कटते थे दिन रात उनके बिन
प्यार परवान चढ़ गया था बढ़ते दिन ।

प्यार था जितना गहरा हमारा
झगड़ा भी था उतना ही हमारा
झगड़ने से बाज़ नहीं आते थे हम
बाद में भले ही मान जाते या मना लेते थे हम ।

जब तुम छोड़ गए थे अकेले
देने के लिए नहीं था कोई हाथ
जैसे छीन गया था हमसे
मेरे अपनों का साथ।

क्या होती है भूल
अंजान थी इससे
जब प्यार किया तुम से
तो पहचान हुई भूल से।

क्या थी मैं
क्या हो गई
आशा थी सभी थी
आज खुद की निराशा हो गई।

सुलझाती थी रिश्ते सभी के
आज खुद के रिश्ते में ही उलझ गई
दिया करती थी जो सबको हिम्मत
आज उसी ने खो दी अपनी हिम्मत।

धोखा दे जो हो गए धोकेबाज़
जुदाई का भी बताया नहीं राज़
मिलता हैं हमेशा उन्हें ही धोका
जो उठाना नहीं जानते रिश्तो में मौका।

थी जिनकी मन की राहत
आज उन्हें है मुझसे बगावत
पूरा न कर सकी अपने प्यार को
अधूरा कर दिया उसने मेरे संसार को।

ख़ुशी दे या ग़म दे मगर देते रहा कर
तू उम्मीद है मेरी, तेरी हर चीज़ अच्छी लगती है।

तेरे प्यार पर मेरा हक़ तो नहीं है
पर दिल करता है कि आखिरी साँस तक तेरा इंतज़ार करुँ।

कोई वादा नहीं फिर भी प्यार है
जुदाई के बावजूद भी तुझपे अधिकार है
मेरे चहरे कि उदासी दे रही है गवाही
तुझसे मिलने को ये दिल बेक़रार है।

दिल लगा के दुखाया तुमने
हँसते हुए चहरे को रुलाया तुमने
दर्द दूर नहीं कर सकते थे
तो दर्द दिया ही क्यों तुमने।

कहता था कुछ ऐसा मुझको वो
जैसे साथी है मेरा ही वो
बोलता था ऐसे बनकर
जैसे वही था मेरा हमसफ़र।

दिल में सिर्फ तुम हो
प्यार तो करेंगे ही
पर एक बात बता दूँ तुम्हे
मेरा प्यार तुम्हारी परेशानी नहीं बनेगा।

सच को झूठ में बदला उन्होंने
झूठ को सही बताया था उन्होंने
झूठ और फरेब को माना उन्होंने
जोड़े थे मुझसे सम्बन्ध जिन्होंने।

रखा कभी ख्याल मेरा जिसने
बैठाया कभी पलकों पे जिसने
किया बर्बाद फिर उसीने
किया गुरूर जिसपे मैंने।

मुझे मेरी तरबीर मिले
मुझे मेरा रंग रूप मिले
मिलू जब अपने हमसफ़र से
तो मुझे मेरी तक़दीर मिले ।

बहुत ही चंचल थी तेरी मुस्कान
सूरत तेरी जैसे कोई धनवान
एक बार कोई देख ले तो अपना बना ले
मैं तो थी तेरी दीवानी
पर तेरी सीरत से थी अनजानी ।

पुरानी रह गई
पुरानी वो साड़ी यादें
आती है मुझे याद
तेरी वो सारी बातें।

तड़पती हूँ तेरी एक झलक पाने को
मन करता है तेरी एक आवाज़ सुनने को
क्यों चले गए तुम इस तरह छोड़ कर
दिल रोता है बस तेरे लिए हर पहर।

छोड़ नहीं सकती आपके यादों का साथ
करुँगी इसके साथ अपने सपने पूरे
अब मन में है ये अटूट विश्वास ।

याद करके आपके धोके
बनाती हूँ हौंसला
मैं भी संभल जाउंगी अब
भूल से भी न भटकूँगी अब ।

साथ होते तुम जो अगर
होता नहीं अफ़सोस अपने प्यार पर
आज जब अकेला है जीवन
रो रहा है दिल अपने प्यार पर ।

तुम्हारा दिल खुश है ना मेरे बिना
अच्छा अब हम भी जी ही लेंगे तेरे बिना ।

अच्छा सबक सिखाया तुमने
पत्थर किसे कहते हैं बताया तुमने
खुदा के आगे रोज़ रो कर कहती हूँ
क्या उसका दिल उदास नहीं मेरे बिना।

मत आते तुम ज़िन्दगी में हमारी
तूम्हारे बिन चैन नहीं रेहता है
अगर आकर जाना ही था तो बता कर जाते
यूँ बहाने बनाने की क्या ज़रुरत थी ।

पुरानी एक आदत छोड़ दी हमने
मोहब्बत छोड़ दी हमने ।

तुम बिन हम बहुत रोए
कई रातो को नहीं सोये
मगर अफ़सोस है जाना अब
की जब तुम लौटोगे
हमे तब्दील पाओगे
बहुत मायूस होंगे तुम
अगर पूछना भी चाहा
ऐसा क्यों किया तुमने
तो पूछ नहीं पाओगे ।

तुम बिन दिल उदास रहता है
तुम बिन दिल और कहीं नहीं लगता है
तुम जब नहीं थे तो उम्मीद थी तुम्हारे लौट आने की
तुमने आकर वो उम्मीद भी छीन ली।

सफर भी अच्छा था
साथी भी अच्छा था
वक़्त ने कुछ ऐसा दर्द दिया
सफर के साथ साथी भी छीन लिया।

आँखों में आँसू हैं फिर भी मुस्कुराते हैं
हर वक़्त अपने दिल को समझाते हैं
आप दूर हो गए हमसे तो क्या हुआ
हर लम्हा आपकी याद में बिताते हैं।

दुःख इस बात का नहीं
की तुम झूठे निकले
अफ़सोस तो इस बात का है कि
वो सब सच निकले जिनसे मैं तेरे लिए लड़ी थी।

तुम्हे बोली थी ना मुझे अपना न बना
पर तुमने मेरी नहीं मानी
अपना बना के तुमने क्या किया
आज छोड़ कर दुनिया में तमाशा बना दिया।

आपकी चाहत ने हमे रुलाया बहुत
आपकी यादों ने हमे तड़पाया बहुत
हम बहुत प्यार करते हैं आप से
इस मजबूरी का फायदा आपने उठाया बहुत।

उनकी चाहत को हम चाहते रहे
उनकी ख़ुशी को दिल से लगाते रहे
कि उनकी बेरुखी से भी मोहब्बत
और वो कम्बख्त हमे आज़माते रहे।

खुदा जो मेरे साथ हुआ
ख्याल रहे वो उसके साथ न हो
क्योकि सह नहीं पायेगा वो
इतनी तकलीफ, इतना दर्द
फिर उसके तकलीफ से बढ़ेगा मेरा ही दर्द।

मैंने दिल तुझको दिया
ये गुनाह मैंने किया
बदले में दर्द आपने दिया
मुझसे मेरा चैन लिया।

देखती हूँ तुझे तो
तेरे साथ बढ़ना चाहती हूँ
फिर पुराने दर्द याद आ जाते हैं
बढ़ते क़दम खुद ही रुक जाते हैं।

न तुम आते
न प्यार होता
न आज तेरी याद होती
न मेरा दिल इस क़दर रोता।

उदास हूँ बुला लो मुझे
आके गले से लगा लो मुझे
अपने दिल में जगह दो मुझे
खफा हो तो सजा दो मुझे
खता क्या हुई बता दो मुझे।

ये तुमसे किसने कह दिया
कि तुम बिन रह नहीं सकते
ये दुःख हम सह नहीं सकते
चलो हम मान लेते हैं
क्योकि कभी तुमने मुझे प्यार भी दिया।

जब भी कभी सामने आते हो तुम
अजीब सा एहसास होता है दिल में
दिल खामोश हो जाता है
आँखें नाम हो जाती हैं
रूह काँप उठती है
पर जुबां तेरा नाम ले लेती है ।

क्या अजीब सिलसिला है
तुम्हे मेरी फ़िक्र नहीं
मुझे तुम्हारे अलावा किसी कि फ़िक्र नहीं
तुम्हे मेरी ज़रुरत नहीं
और तुम मेरी ज़रुरत नहीं।

सोचती हूँ भूल जाऊगी तुझे
पर जब भी तेरा ज़िक्र होता है
दिल कहता है बस आज याद कर ले
कल भूल जाएंगे उसे
और वो कल कभी आ नहीं रहा ।

मेरी हर सुबह तेरी आवाज़ से होती थी
मेरी हर रात तेरी आवाज़ से होती थी
कितना बदल गया है सब
अब तो महीनो तेरी आवाज़ नहीं होती है
सुबह तो होती है पर रात नहीं होती है ।

बेशक वो आज मुझे छोड़ गया
मेरे बेइंतहा प्यार को भूल गया
पर एक दिन ऐसा भी आएगा
जब उसे मेरा प्यार याद आएगा
देर हो चुकी होगी तबतक
ये दिल उसे पहचान भी नहीं पाएगा।

आपको मेरी ये शायरियाँ कैसी लगी ये बताने के लिए यहाँ क्लिक करें.

धन्यवाद.